

वर्क फ्रॉम होम नहीं, फेस-टू-फेस काम करने वाला सीएम हूं : शिंदे

भंडारा जिले म 547 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन..

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को भंडारा के रेलवे मैदान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए शिवसेना उद्धव ठाकरे गट के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का नाम लिए बगैर कहा कि मैं वर्क फ्रॉम होम की नीति अपनाकर काम करने वाला मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि फेस-टू-फेस काम करने वाला सीएम हूं।

मुख्यमंत्री के हाथों गोसीखुर्द परियोजना पर आधारित जल पर्यटन समेत भंडारा जिले में 547 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का किया गया। इसी अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए श्री शिंदे ने कहा कि फेसबुक, इंस्टा समेत अन्य सोशल मीडिया पर लाइव आकर मैं हाय, हैलो नहीं करता। किसान का बैटा हूं और जमीनी स्तर पर काम करना जानता हूं, उन्होंने कहा कि राज्य के धान उत्पादक किसानों को प्रति किंवाटल 700 रु का बोनास प्रदान किया गया है। मंच पर विधायक नरेंद्र भोंडेकर, जिलाधिकारी योगेश कुंभेजकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी समीर कताकोटी, किरण पांडव, शिवसेना (शिंदे गट) भंडारा जिला अध्यक्ष अनिल गायधाने आदि उपस्थित थे। सीएम एकनाथ शिंदे ने पवनी के विधायक नरेंद्र भोंडेकर को शिवसेना में शामिल किया।

पत्रकारों से भरी नाव डगमगाई !
गोसीखुर्द परियोजना में जल पर्यटन परियोजना का उद्घाटन करने के बाद सीएम शिंदे ने बोट से बांध



भ्रमण की इच्छा जताई. उनके कहने पर पत्रकारों को भी दूसरी बोट में शामिल किया गया. बीच में पहुंचने के बाद सीएम ने प्रतीकात्मक रूप से बोट का स्टेयरिंग संभाला तो पत्रकारों में उनका फोटो खींचने की होड़ मच गई पत्रकारों की बोट के नाविक ने उन्हें एकसाथ बोट के आगे के हिस्से में न जाने की हिदायत दी, लेकिन उसकी किसी ने नहीं सुनी. ऐसे में पत्रकारों की बोट का अमला हिस्सा पानी में डूबा और बोट में पानी भरने लगा.

बांध के किनारे मौजूद आपदा प्रबंधन के लोगों ने तत्काल स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पत्रकारों

से भरी बोट को संभालकर बाहर निकाल लिया. इस घटना में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा. मुख्यमंत्री ने बाद में पत्रकारों से उनका हाल पूछा।

शिवसेना में शामिल हुए भोंडेकर विकास के लिए रखी गई कई मांगों
मुख्यमंत्री की मौजूदगी में सोमवार को निर्दलीय विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने शिवसेना में अधिकारिक तौर पर प्रवेश किया. उन्होंने अपने भाषण में मांग की कि जल पर्यटन के लिए अधिक राशि आवंटित की जानी चाहिए, भंडारा और पवनी शहर के विकास के लिए नगर विकास मंत्रालय ने 350 करोड़ रुपये

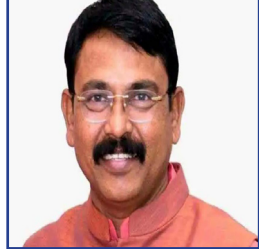
के डीपीआर को मंजूरी देने, परमात्मा एक सेवक समाज के संस्थापक बाबा जुमदेव के जन्मदिन 3 अप्रैल को विदर्भ के 6 जिलों में सरकारी अवकाश, ओबीसी विभाग का बजट 25 हजार करोड़ करने और छात्रवृत्ति देने, महिला स्व-सहायता समूहों के लिए भंडारा शहर में 200 टूकनों का व्यावसायिक परिसर स्थापित करने, किसानों को सम्पूर्ण कर्ज माफी की मांग रखी.

बाबा जुमदेव की जयंती पर 3 अप्रैल को रहेगा सार्वजनिक अवकाश
मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में वैनगंगा जलाशय

में जल पर्यटन बढ़ाने की योजना के लिए अतिरिक्त राशि को मंजूरी देने और बाबा जुमदेव की जयंती 3 अप्रैल के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का वादा किया. विधायक भोंडेकर ने कहा की 547 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों से भंडारा में रोजगार सृजन के साथ-साथ पर्यटन विकास भी बनेगा. कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक चेरिंग दोरजे, कलेक्टर योगेश कुंभेजकर, जिला परिषद सीईओ समीर कुतकोटी, एसपी लोहित मतानी और नगर परिषद प्रशासक किरण कुमार चव्हाण उपस्थित थे.

मतदाताओं से जुड़ी तार इसी तरह हमेशा कायम रहेगी : सुनील मेंढे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी



भंडारा : मतदाताओं ने उन्हें पिछले पांच वर्षों तक भंडारा-गोंदिया के सांसद के रूप में सेवा करने का अवसर दिया. इस अवधि के दौरान उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के लिए और बदले में जनता के लिए जो कुछ भी अच्छा कर सकते थे वह करने की कोशिश की। आप नतीजों में मतदाताओं द्वारा दिए गए वोट को स्वीकार कर लिया गया है. पूर्व सांसद सुनील मेंढे ने विश्वास जताया कि वह भविष्य में भी लोगों की सेवा करते रहेंगे.

लोकसभा के नतीजे आने के बाद निवर्तमान सांसद सुनील मेंढे ने इसे उसी दिल से स्वीकार किया और क्षेत्र की जनता को दिल से धन्यवाद दिया. पांच साल पहले, मतदाताओं ने

सरकारी अस्पताल निश्चित रूप से भविष्य में भंडारा जिले की स्वास्थ्य स्थिति को मजबूत करेगा। यहां की जनता हर काम में मेरे साथ मजबूती से खड़ी रही। जब मैं दूसरी बार चुनाव का सामना कर रहा हूं तो मतदाताओं द्वारा बड़ी संख्या में वोटों के रूप में दिया गया दान मेरे लिए प्यार का प्रतीक है। हालांकि चुनाव की सफलता या विफलता हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव बनाए रखना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। सांसद सुनील मेंढे ने स्नेह का यह रिश्ता भविष्य में भी जारी रहने का विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस चुनाव में मतदाताओं ने मुझे जो वोट का दान दिया, उसके लिए मैं निश्चित रूप से भंडारा गोंदिया जिले के सभी मतदाताओं का आभारी हूं।

महायुति के नेताओं की मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को दिखाई पीठ...

महागठबंधन में सबकुछ आँलवेल नहीं, जिले ने चल रही चर्चा...

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सोमवार को जब राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भंडारा आये तो इस कार्यक्रम में महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने इस कार्यक्रम को पीठ दिखाई. मुख्यमंत्री के मंच पर बीजेपी और एनसीपी के पदाधिकारियों की गैरमौजूदगी से यह चर्चा शुरू हो गयी कि महागठबंधन में खलबली मच गयी है. इस बीच कार्यक्रम स्थल पर यह चर्चा भी सुनने को मिली कि भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का निमंत्रण समय पर मिल जाने का हवाला देकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में जाने से परहेज किया.

राज्य के मुख्यमंत्री तीन घटक दलों यानी शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी के महागठबंधन से हैं। आमतौर पर मुख्यमंत्री



जिस जिले में जाते हैं, वहां घटक दल के नेता और पदाधिकारी अपनी चिंताएं भूल जाते हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने से शिव सेना शिंदे गट के अलावा बीजेपी और एनसीपी के नेताओं

और पदाधिकारियों के इनकार के बाद से आगामी विधानसभा में तस्वीर कैसी होगी इसकी चर्चा शुरू हो गई है.

पालक मंत्री ने आने से किया परहेज: लोकसभा चुनाव में बीजेपी की हार के बाद नरेंद्र भोंडेकर ने कहा कि बीजेपी उम्मीदवार सुनील मेंढे की हार के लिए पालक मंत्री जिम्मेदार हैं और उन्होंने कहा कि डॉ. गावित पर लगाए गए आरोप. दरअसल, जिस जिले में मुख्यमंत्री जाते हैं वहां के पालक मंत्री का मौजूद रहना एक प्रोटोकॉल है. लेकिन, विधानसभा भवन में चर्चा रही कि भंडारा में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पालक मंत्री आने से इसलिए बचते रहे क्योंकि भोंडेकर के आरोपों से उन्हें परेशानी हो रही थी. इसके अलावा पूर्व सांसद सुनील मेंढे की अनुपस्थिति

पर भी चर्चा हुई.

मुख्यमंत्री पर दूजाभाव का आरोप
मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भंडारा और गोंदिया जिले को लेकर दूजाभाव करते हैं। मुख्यमंत्री भंडारा क्षेत्र के विधायक नरेंद्र भोंडेकर इनके ही नहीं. वह पूरे भंडारा जिले के संरक्षक मंत्री हैं। बहरहाल, मुख्यमंत्री को जिले के अन्य क्षेत्रों .ए दूजाभाव करते है. वे दूसरे क्षेत्रों में फंड देने में हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहते हैं? ऐसा सवाल पूर्व राज्य मंत्री डॉ. परीनय फुके ने किया है. इस समय डॉ. फुके ने कार्यक्रम का निमंत्रण समय पर मिलने पर नाराजगी व्यक्त की. नाराजगी के इस नाटक के चलते वित्तुशा के विधानसभा चुनाव में उतरने की चर्चा शुरू हो गई है.

कांग्रेसी सामंतवाद का BJP ने किया विरोध

गांधी चौक में किया विरोध प्रदर्शन



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भारतीय जनता पार्टी भंडारा जिले ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के गलत कार्यों के विरोध में गांधी चौक भंडारा में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया. जिला महासचिव आशु गोंडाने ने कहा कि 13 सांसद चुनने के बाद कांग्रेस ने राज्य में अपना असली रंग दिखाया शुरू कर दिया है.

कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के पैर एक किसान ने धोए, जबकि नवनिर्वाचित

बिटीबी मार्केट से अवैध वसूली बंद करने के संदर्भ में शिवसेना की ओर से जिलाधिकारी को निवेदन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा शहर के बीटीबी सब्जी मार्केट में बिक्री के लिए सब्जियां लाने वाले किसानों के वाहनों को अवैध रूप से लूटने वाले बीटीबी सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय भंडारा में शिवसेना (उठोंबा) को ओर से निवेदन दिया गया। और किसानों और व्यापारियों की हो रही लूट को रोकने के



लिए कार्यवाही करने की मांग भी इस निवेदन में गई है। निवेदन प्रस्तुत करते समय नरेश डाहारे सह संपर्क प्रमुख, दिपक गजभिये

उपजिल्हाप्रमुख, देवा कारेमोरे तालुका प्रमुख, आशिष चुंटे शहर प्रमुख, नरेंद्र पहाडे आकाश दुग, अरविंद पडोळे, अमोल भुरले, अनिल वरकडे, गुरुदेव लिचडे, सुयोग धाबेकर, रामलाल बावनकर, गजानन कळवे, चेतन शहारे, अमोल दुग, किशोर साव, राकेश आग्ने, संभु मारबते, गोपीचंद गोमासे, चित्रांगण सेलोकर, ताराचंद भुरे, सुरज देशमुख, दिनेश भुरे, संजय मडावी, महेंद्र न्यायखोर. उपस्थित थे।

23 लाख 87 हजार की निधि मिली, काम घटिया किया धमापुरी के ग्रामीणों ने पगडंडी मार्ग को लेकर जिला प्रशासन और जिप को सौंपा ज्ञापन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : बारिश के दिनों में किसानों के लिए पक्के पगडंडी मार्ग बनाने मातोश्री पगडंडी योजना चलाई जा रही है। साकोली तहसील के धमापुरी ग्राम में पगडंडी मार्ग का निर्माणकार्य प्रस्ताव के अनुसार नहीं किया गया है। ऐसी शिकायत ग्रामीणों ने पंचायत समिति एवं जिला परिषद से की है। धमापुरी ग्राम में दिनेश वाढ़ई के खेत से लेकर अशोक भालेकर के खेत

तक पगडंडी मार्ग को पक्का किया गया। इस दौरान 80 एमएम पत्थर का एक ही कोट किया गया। दूसरा कोट किया ही नहीं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सरपंच, धमापुरी ग्रामपंचायत सचिव, पंचायत समिति प्रशासन व जिला प्रशासन से की है। बारिश में मार्ग पर कीचड़ फैला रहता है। जिससे किसानों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। योजना के तहत 1 किमी तक के पगडंडी मार्ग

को पक्का करने का प्रावधान है। पंचायत समिति साकोली के अधीनस्थ गुट ग्रामपंचायत धमापुरी में वित्तीय वर्ष 2022 23 में दिनेश वाढ़ई से अशोक भालेकर के खेत तक 23 लाख 87 हजार 850 रुपए की राशि मंजूर की गई थी। जिसका करार नामा ग्रामपंचायत के नाम से है। जिसके ऊपर नजर रखना एवं कार्यान्वयन पंचायत समिति रोगायो विभाग के तकनीकी पैनल अधिकारी व कनिष्ठ अभियंता को करना

बैंकों ने शासकीय योजना कर्ज प्रकरण का जलद गतीसे निपटारा करे : जिलाधिकारी



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिलाधिकारी योगेश कुंभेजकर ने कल जिला अग्रणी बैंक की बैठक में जिले के सभी बैंकों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं से संबंधित ऋण प्रकरणों का त्वरित गति से निस्तारण किया जाए। मार्च 2024 तिमाही के लिए डीएलसीसी और डीएलआरसी की बैठक कल आयोजित की गई जिलाधिकारी ने फसल ऋण के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की त्रैमासिक समीक्षा की साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत लंबित मामलों का भी संज्ञान लिया गया और लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटारने के निर्देश भी दिए गए विभिन्न निगमों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने निगमों से अधिक से अधिक प्रकरण बैंक से स्वीकृत करावें। निर्देश दिया गया कि जिले में डिजिटल पैमेंट के विस्तार के लिए बचत खातों में कम से कम एक डिजिटल पैमेंट योजना की व्यवस्था की जाये. बैठक में जिला अग्रणी बैंक द्वारा वार्षिक साख योजना 2024-25 की पुस्तिका का विमोचन जिलाधिकारी के हाथों किया गया। साथ ही आरसेटी भंडारा द्वारा वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट 2023-24 पुस्तक का विमोचन किया गया बैठक में अपर जिलाधिकारी आशा पटान, परियोजना निदेशक ग्रामीण विकास प्रणाली विवेक बोर्डे, आरबीआई एलडीओ भाग्यश्री बड़े, एलडीएम गणेश तायकर, डीडीएम नाबार्ड देवेन्द्र हेडाऊ, आरएआईटी निदेशक मिलिंद इंगले, सभी बैंकों के जिला प्रतिनिधि, डीआईसी, केवीआईबी और अन्य निगमों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे.

उत्पादन खर्चाची चिंता ना अन्सुरक्षेचे चिंतन



संपादकीय

नव्याने स्थापन झालेल्या केंद्रीय मंत्रिमंडळाने शेवटी १९ जूनला म्हणजे बऱ्याच उशीराने खरीप पिकांच्या हमीभावास मंजुरी दिली आहे. पीक पेरणी नियोजनात शेतकरी संबंधित शेतीमालास दर काय मिळेल, याचा विचार करतो. परंतु हमीभाव जाहीर करण्यास झालेल्या उशीराने अपेक्षित दर माहीत नसताना शेतकऱ्यांना पिकांची निवड करावी लागली आहे. देशात एक जूनला मॉन्सूनचे आगमन होते, त्यापूर्वी १५ दिवस म्हणजे १५ मे दरम्यान खरीप हंगामातील पिकांचे हमीभाव जाहीर व्हायला पाहिजेत. परंतु तसे कधीही होत नाही. हमीभाव जाहीर करण्यास केंद्र सरकार नेहमीच उशीर करते. या वर्षी बाजरीच्या हमीभावात सर्वात कमी प्रतिक्वंटल १२५ रुपये, तर कारळाच्या हमीभावात सर्वाधिक ९८६ रुपये अशी वाढ करण्यात आली आहे. देशभरातील शेतकऱ्यांच्या दृष्टीने महत्त्वाच्या अशा कापूस आणि सोयाचीनच्या हमीभावात मात्र अपेक्षित वाढ करण्यात आली नसल्याने उत्पादकांत प्रचंड नाराजी आहे.

कडधान्य आणि तेलाबियांत आपण आत्मनिर्भर नाही. त्यामुळे खाद्यतेल आणि डाळी आयातीवर आपण मोठे परकीय चलन खर्च करतो. असे असताना या पिकांचे उत्पादन वाढून त्यात आत्मनिर्भर होण्यासाठी त्यांच्या हमीभावात मोठी वाढ करा, असे यातील जाणकारांकडून वारंवार सांगितले जात आहे. परंतु त्याकडे सोईस्कररीत्या दुर्लक्ष करण्यात आले आहे. २०२३ हे भरडधान्य वर्ष म्हणून जगभर साजरे केले. भरडधान्यांना 'सुपर फूड' म्हटले गेले. भरडधान्यांचे महत्त्व पटवून देऊन त्यांचा आहारात वापर वाढविण्याबाबत जनजागृती झाली. अशावेळी देशभरातील भरडधान्य उत्पादकांना प्रोत्साहन मिळणे गरजेचे होते. परंतु ज्वारी, बाजरी, रागी या भरडधान्यांच्या हमीभावात अत्यंत कमी वाढ करण्यात आली आहे.

मुळात भरडधान्यांचे उत्पादन कमी मिळते, त्याला दरही कमी मिळाल्यास भरडधान्य आपल्या पीक पद्धतीतून नामशेष झाली तर नवल वाटायला

नको. शेतीच्या मशागतीपासून ते शेतीमालाच्या काढणी- विक्रीपर्यंतचा खर्च खूप वाढला आहे. विशेष म्हणजे हमीभाव जाह- और करताना संपूर्ण पीक उत्पादन खर्च गृहीत धरला जात नाही. अशावेळी त्यावर आधारीत हमीभावातून शेतकऱ्यांना न्याय मिळणारच नाही. हंगामात बहुतांश शेतकऱ्यांच्या शेतीमालास बाजा- रात हमीभावाचा देखील आधार मिळत नाही. अशावेळी जाहीर करण्यात येत असलेले हमीभाव केवळ औपचारिक ठरतात. एवढेच नव्हे हमीभावापेक्षा शेतीमालाचे बाजारातील दर कमीच राहिले पाहिजे, अशी व्यापारी, शासनाची मानसिकताच होऊन गेली आहे.

शेतीमालास हमीभावापेक्षा अधिक दर मिळू लागला की महागाई वाढली म्हणून ओरड सुरू होते. प्रसारमाध्यमांमधून संबंधित शेतीमालाच्या टंचाईपासून ते ग्राहकांच्या खिशावर आता किती बोजा पडणार, हे रंगवून सांगितले जाते. त्यातून ग्राहकहितार्थ केंद्र सरकार संबंधित शेतीमालाची जगभरातून आयात करण्याबरोबर त्याच्या निर्यातीवर निबंध लावते. अशा प्रकारच्या केंद्र सरकारच्या निर्णयांनी शेतीमालाचे दर पडून शेतकऱ्यांचे मोठे आर्थिक नुकसान होते. त्यामुळेच देशभरातील शेतकरी शेतीमालास रास्त दर आणि तो बाजारात हमखास मिळण्यासाठी कायद्याने संरक्षण मागत आहे. परंतु याकडे देखील लक्ष दिले जात नाही.

खरीप हंगामातील कापूस, सोयाबीन ही पिके सोडली, तर जवळपास सर्वच पिके अन्नसुरक्षेच्या दृष्टीने महत्त्वाची आहेत. त्यातच घातक असे संसर्गजन्य रोग, युद्धांचा उदत असलेला भडका यामुळे जागतिक परिस्थिती बदलत असून त्याने आयात-निर्यात प्रभावित होत आहे. अशा वातावरणात अन्नसुरक्षेची चिंता सर्व जगाला लागली आहे. अशावेळी या देशातील शेती अन्न-शेतकऱ्यांना अजूनही गृहीतच धरले जात आहे. हमीभाव जाहीर करताना ना शेतकऱ्यांच्या उत्पादन खर्चाची चिंता ना अन्नसुरक्षेचे चिंतन केंद्र सरकारकडून झाले आहे. त्यामुळे हमीभाव जाहीर करून केंद्र सरकारने एक सोपस्कार पार पाडला, एवढेच म्हणता येईल.

वनमजूर संवगतीतील पदे कायमस्वरूपी करण्याचा प्रस्ताव !

वनसचिवांची ग्वाही : ...तर भंडारा जिल्ह्यातील वनमजुरांना होणार लाभ

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : वनरक्षक, वनपाल, वनमजूर यांना त्यांच्या कार्यक्षेत्रात प्रत्यक्षात अनेक अडचणींचा सामना करावा लागतो, अशा स्थितीत त्यांना सोयी- सुविधा देण्याच्या उद्देशाने वनमजूर संवगतीतील पदे कायमस्वरूपी करण्याचा प्रस्ताव शासनाकडे सादर करण्यात येणार आहे. या आशयाची ग्वाही राज्याचे प्रधान सचिव (वने) वेणुगोपाल रेड्डी यांच्या प्रमुख उपस्थितीत व प्रधान मुख्य वनसंरक्षक (वनबल प्रमुख) शैलेश टेंभुणीकर यांनी दिली.

हा प्रस्ताव राज्य शासनाने मंजूर केल्यास याचा लाभ भंडारा जिल्ह्यातील शेकडो वनरक्षक, वनपाल, वनमजुरांना होईल. महाराष्ट्र राज्य वनरक्षक व पदोन्नत वनपाल संघटनेचे केंद्रीय अध्यक्ष अजय पाटील यांच्या उपस्थितीत वनरक्षक, वनपाल व वनमजूर यांची तक्रार निवारण सभा नागपूर येथे पार पडली. सभेच्या अध्यक्षस्थानी प्रधान वन सचिव वेणू



गोपाल रेड्डी होते. तसेच वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित होते.

संघटनेच्या वतीने प्रमुख पदाधिकारी माधव मनमोडे, विशाल मंत्रिवार, भारत मडावी, सिद्धार्थ मेश्राम, ललित उचिबागले, दीपक कडू, अरुण पेंडोरकर, नितीन गडपायले, आदी उपस्थित होते. संघटनेचे केंद्रीय अध्यक्ष अजय पाटील यांच्या नेतृत्वात विविध मुद्द्यांवर सविस्तर चर्चा करण्यात आली. प्रस्ताव दाखल केल्यावर हिरवी झेंडी मिळाल्यास राज्यभरातील वनरक्षक, वनपाल, वनमजूर यांच्या संवगतीतील जवळपास बारा हजार

कर्मचाऱ्यांना याचा लाभ होईल.

या होत्या मुख्य मागण्या

बैठकीत सातव्या वेतन आयोगातील वेतन श्रेणीतील त्रुटीचे निवारण करणे, पदोन्नतीची निवड सभा राज्यात एकाच वेळी घेऊन एकसूत्री कार्यक्रम राबवावा, वनरक्षक व वनपाल पदाच्या मंजूर पदात वाढ करावी, क्षेत्रीय कर्मचाऱ्यांच्या बदल्या ऑनलाईन पद्धतीने करणे, वनरक्षक व वनपाल यांना अतिदुर्गम भागात गस्तीकरिता दुचाकीचा पुरवठा करणे, वनरक्षक वनपाल यांना अतिरिक्त कामाचा कर्तव्य भत्ता व आहार भत्ता

वनपाल, वनरक्षक व वनमजुरांची पदे कायमस्वरूपी झाल्यास त्यांना मुलभूत सोयी- सुविधांचा लाभ मिळेल यात दुमत नाही. सचिवांनी दिलेल्या आश्वासना प्रमाणे प्रस्तावास राज्य शासनाची हिरवी झेंडी मिळणे आवश्यक आहे.

- ललीत उचिबागले, केंद्रीय संघटक, राज्य वनरक्षक, वनपाल, वनकर्मचारी संघटना

पोलिस विभागाप्रमाणे मंजूर करणे पोलिस विभागाच्या धरतीवर क्षेत्रीय वन कर्मचाऱ्यांच्या पाल्यांना वन विभागातील भरती प्रक्रियेमध्ये पाच टक्के आरक्षण सवलत मिळणे, साप्ताहिक रजा व रजा कालावधीचे अतिरिक्त वेतन पोलिस विभागाप्रमाणे देणे, वेतन श्रेणी सुधारणा अशा एकूण ४० विषयांत तत्परतेने सकारात्मक निर्णय घेण्यात येईल, अशी ग्वाही वन सचिव व वनबल प्रमुख यांनी दिली.

अशोक नगरातील ते मोकळे भूखंड ठरतात आरोग्यास धोकादायक !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

अड्याळ : अड्याळ येथील अशोक नगरात अनेक मोकळे भूखंड आहेत. तसेच गावात अन्य ठिकाणी ग्रामस्थांनी स्वतःच्या भविष्याचा विचार करत रिकामे प्लॉट खरेदी करून ठेवले आहेत. परंतु, यामुळे दर दिवसाला येथे राहणाऱ्या ग्रामस्थांना यांचा सतत त्रास होतो आहे. आरोग्याचा प्रश्न तर नित्याचा होऊन गेला आहे. याविषयी अशोक नगरवासी मागील १५ वर्षांपासून ओरडत असले तरी ग्रामपंचायत प्रशासनाला मात्र अद्यापही जाग आलेली नाही.

दरवर्षी मोकळ्या भूखंडावर दुर्गंधीयुक्त पाणी साचून राहते. त्यामुळे विशेषतः जवळच वास्तव्य असणाऱ्या ग्रामस्थांना सतत आरोग्याचा प्रश्न सतावत असतो. दुसरे महत्त्वाचे म्हणजे आधी एकाच भूखंडात कोंगसी नावाची धोकादायक जलपर्णी

वनस्पती आता संपूर्ण अशोक नगरात पसरली आहे. यामुळे दारे, खिडक्या बंद केल्याशिवाय येथील ग्रामस्थांना धड दोन घास अन्न ग्रहण करता येत नाही.

याची तक्रार अनेकदा ग्रामस्थांनी केली. ग्रामपंचायत प्रशासनाने मागील १५ वर्षांत अनेक निर्णय घेतले. परंतु, घेतलेले निर्णय अमलात आणले नसल्याने येथील समस्येत वाढ झाली आहे. अड्याळ ग्रामपंचायत प्रशासनाने १५ वर्षांत मोकळ्या भूखंडधारकांवर कारवाई करण्याचा फतवा दरवर्षी काढला. परंतु, ते मोकळे भूखंड आहेत कुणाचे? हेच ग्रामपंचायत प्रशासनाला माहीत नाही, असेही बोलले जात आहे. आज गावात रस्ते, नाल्या बांधकाम होत असतानाही पाणी निघत नाही. जागच्या जागीच साचून मुरत आहे. बांधकाम गावविकासासाठी आहेत की नुसते कमिशन खाण्यासाठी, असाही सवाल येथे उपस्थित होतो आहे.

सिल्ली येथील 'हर घर नल' योजनेसाठी खोदलेल्या नाल्या बुजवा

ग्रामस्थांची मागणी : दोन महिन्यांचा कालावधी झाला पूर्ण

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिल्ली : जलजीवन मिशन योजनेच्या माध्यमातून 'हर घर नल, हर घर जल' योजनेअंतर्गत सिल्ली येथे मोठ्या प्रमाणात नाल्यांचे खोदकाम करून पाइपलाइन टाकण्यात आली; मात्र दोन महिन्यांचा कालावधी होऊन देखील खोदलेल्या नाल्या बुजवल्या नाहीत. त्यामुळे पावसाळा सुरू होण्यापूर्वी उघड्या नाल्या बुजवा, अशी ग्रामस्थांनी मागणी केली आहे.

ग्रामीण भागातील प्रत्येक कुटुंबाला शुद्ध व मुबलक पाणीपुरवठा करण्यासाठी जलजीवन योजनेअंतर्गत नळ्याच्या पाण्याचे कनेक्शन देण्याच्या उद्देशाने सिल्ली येथे जागोजागी रस्त्यालगत नाल्याचे खोदकाम करून पाइपलाइन टाकण्यात आली. त्यामुळे



नागरिकांना घरीच शुद्ध पाणी मिळण्याची आशा होती.

जलजीवन मिशन योजनेद्वारे २०२४ पर्यंत ग्रामीण भागातील सर्व कुटुंबांना वैयक्तिक घरगुती नळ कनेक्शनद्वारे सुरक्षित आणि पुरेसे पिण्याचे पाणी उपलब्ध करून देण्याचे मुख्य उद्दिष्ट आहे.

मात्र, सिल्ली येथे जलजीवन मिशनचे सुरू असलेले अर्धवट काम मागील दोन महिन्यांपासून थंडबस्त्यात

असून नागरिकांच्या घरी नळचे कनेक्शन लागलेच नाही. त्यामुळे 'हर घर नल, हर घर जल' योजनेचे पाणी लोकांच्या घरी पोहोचले नाही. याउलट पाइपलाइनकरिता खोदलेल्या नाल्या उघड्या असल्यामुळे नागरिकांना त्रास सहन करावा लागत आहे. त्यामुळे पावसाळा सुरू होण्यापूर्वी रस्त्यालगत खोदलेल्या नाल्या बुजविण्याची मागणी ग्रामस्थांनी केली आहे.

देव्हाडा खु. येथील श्रम दानाच्या माध्यमातून झालेल्या सिमेंट रस्ता कामाचे लोकार्पण

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी/पालोरा : मोहाडी तालुक्यातील देव्हाडा खुर्द येथील राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी च्या कार्यकर्ते कडून गावाच्या हीतासाठी श्रमदान व आर्थिक मदत चे सहकार्य करून १०/४ मिटर सिमेंट रस्ता बनवून गावाच्या हीतासाठी एक नविन उपक्रम राबविले आहे, आणि दि. १८ जून २०२४ मंगळवार ला सिमेंट रस्त्याचे लोकार्पण सोहळा जि. प. सदस्य महादेव पचघरे, पं. स. सदस्य वंदना सोयाम, सरपंच उषा

कांबळे यांचे हस्ते करण्यात आले. यावेळी निलज येथील सरपंच लिलाधर कांबळे, उपसरपंच चंद्रकांत पुंडे, ग्रा. पं. सदस्य हरेद्र डोंगरे, वैभव बुधे, कार्तीक शहारे, मिराबाई वैद्य, जयतुरा देवगडे, दुर्गा मडावी, सारंगा देगे, सुशिला उईके, प्रेमलाल कांबळे, विशाल देगे, संतोष मेश्राम, नागेश्वर राऊत, प्रतिक वैद्य, मुक्तानंद कांबळे, घनश्याम ईश्वरकर, सोपान देगे, रतन पंचबुधे, स्वप्नील क्षीरसागर, प्राजल बुधे, रमेश मेश्राम व राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी चे कार्यकर्तेची उपस्थिती होती.

आमदार चषक बुद्धिबळ स्पर्धेत ६० खेळाडूंचा सहभाग

बुद्धिबळ स्पर्धेतील विजेत्या स्पर्धकांसह पंच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : आमदार चषक बुद्धिबळ स्पर्धा २०२४ ऑफिसर क्लब, भंडारा येथे २३ जून रोजी पार पडली. या स्पर्धेचे आयोजन आमदार नरेंद्र भोंडेकर व मित्र परिवार, तसेच बालाजी चेस अकॅडमी यांनी केले. या स्पर्धेत ६० पेक्षा अधिक खेळाडूंनी सहभाग घेतला. स्पर्धेचे उद्घाटन डॉ. अश्विनी भोंडेकर व नायब तहसीलदार संजय

जांभुळकर यांच्या हस्ते झाले. स्पर्धेतील खुल्या गटात स्पंदन रामटेके (प्रथम), प्रथम गुप्ता (द्वितीय), समृद्धी खराबे (तृतीय) आली. १५ वर्षांखालील गटात अदव्य जांभुळकर (प्रथम), तुनुष साखरवाडे (द्वितीय) व अखिलेश अवचट (तृतीय) आला. ११ वर्षांखालील गटात रुद्र ठवकर (प्रथम), उत्कर्ष खराबे (द्वितीय), तर हर्ष धुर्वे (तृतीय) आला. मुलींच्या गटात रिया धरमसारे (प्रथम), रेहा बागडे (द्वितीय) तर मुक्ता

भुरे (तृतीय) आली. सर्वात लहान उत्कृष्ट स्पर्धक म्हणून जय निखाडे याला पारितोषिक देण्यात आले. या स्पर्धेचे मुख्य पंच वैभव कुंभलकर व चंद्रपूरचे रितेश उरकुडे होते. सर्व स्पर्धकांना २५ जून रोजी आमदार नरेंद्र भोंडेकर यांच्या हस्ते रेल्वे ग्राऊंड खातरोड येथे पारितोषिक देण्यात येणार आहे. कार्यक्रमासाठी प्रकाश धुर्वे, रामचंद्र बडवाईक यांनी सहकार्य केले.

प्लॅटफॉर्मवर प्रवाशांना धावत शोधावी लागते आरक्षण बोगी

प्रवाशांची ताराबळ : तुमसर रोड रेल्वे स्थानकातील प्रकार

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : दक्षिण पूर्व रेल्वेच्या तुमसर रोड रेल्वे जंक्शन येथील प्लॅटफॉर्मवरील प्रवासी गाडीचे बोगी क्रमांक दाखविणारी यंत्रणा कार्यरत आहे. परंतु त्या इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल बोर्डात तांत्रिक बिघाड निर्माण झाला आहे. त्यामुळे प्रवासी गाडी प्लॅटफॉर्मवर आल्यानंतर प्रवाशांना प्रवासी बोगी शोधताना अशरक्षः धावत जावे लागते. यावेळी अधिक अंतरावर प्रवासी बोगी असल्यास त्यांना इतर बोगीतून प्रवास करावा लागतो. विशेषतः वृद्ध स्त्री, पुरुष, महिलांना मनस्ताप सहन करावा लागत आहे.



आले आहेत. प्रवासी गाडी येण्याच्या सुमारे १५ ते २० मिनिटे अगोदर हे डिजिटल बोर्ड कार्यान्वित होतात. त्यामुळे प्रवाशांना आपली आरक्षित बोगी नेमक्या प्लॅटफॉर्मवर कुठे येईल याची माहिती अचूक मिळते. परंतु मागील काही दिवसांपासून तुमसर रोड रेल्वे स्थानकातील इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल बोर्ड यांच्यामध्ये तांत्रिक बिघाड निर्माण झाला आहे. त्यामुळे नेमकी बोगी क्रमांक या डिजिटल बोर्डवर प्रवाशांना दिसत नाही.

तुमसर रोड येथे रेल्वे स्थानकात प्रवासी गाडी आल्यानंतर बोगी शोधण्याकरिता प्रवाशांना धावपळ करावे लागते. त्यात महिला वृद्ध पुरुष व महिला तसेच लहान मुलांना सामानासोबत प्रवासी बोगी शोधण्याकरिता धावत जावे लागते. रेल्वे स्थानकात अशी धावपळ येथे नित्याचीच झाली आहे. धावपळ करीत असताना प्लॅटफॉर्मवर पडण्याची भीती अधिक आहे. येथे अपघाताची शक्यता नाकारता येत नाही, येथील गाडी थांबा कमी वेळ असल्याने अनेक प्रवाशांना दुसऱ्या बोगीत प्रवेश करून प्रवास

तुमसर रोड रेल्वे स्थानकातील रेल्वे प्रवाशांना डिजिटल बोर्डात तांत्रिक बिघाडामुळे धावत पळत आपली आरक्षित बोगी शोधावी लागते. ही एक शोकांतिकाच म्हणावी लागेल. अमृत भारत रेल्वे स्थानकाचे स्वप्न दाखवणाऱ्या रेल्वे मंत्रालयाने किमान मूलभूत समस्या तरी दूर कराव्यात. - प्रमोद तितीरमारे, प्रदेश सचिव, प्रदेश काँग्रेस कमिटी.

करावा लागतो. माहितीचा खोळंबा तुमसर रोड रेल्वे जंक्शन येथील प्लॅटफॉर्मवर जलद व अति जलद प्रवासी रेल्वे गाड्या यांचा थांबा केवळ दोन ते तीन मिनिटे एवढा असतो. त्यामुळे डिजिटल बोर्ड प्रवाशांना बोगी क्रमांकाचे नेमकी माहिती देत होते. परंतु त्यांच्यात तांत्रिक बिघाड निर्माण झाल्याने प्रवाशांना गाडी प्लॅटफॉर्म आल्यानंतर आपली आरक्षित बोगी शोधण्याकरिता अशरक्षः धावपळ करावी लागत आहे. येथे माहितीच पूर्ण मिळत नसल्याचे दिसून येते.

पदाधिकाऱ्यांची एकमताने निवड संघटनेच्या एकात्मतेचे प्रतीक

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : अखिल महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षक संघाचे जिल्ह्याचे मावळते जिल्हाध्यक्ष रमेश सिंगनजुडे यांनी संघटनेचे कार्य मागील ३५ वर्षांपासून अविरत सुरू ठेवले. संघटनेच्या माध्यमातून एकोपा तयार झाला. सर्व पदाधिकारी, कार्यकर्त्यांमध्ये समन्वय ठेवला गेला. त्याचीच प्रचिती म्हणून रविवारला जिल्हा अधिवेशनामध्ये नवीन जिल्हा कार्यकारिणीची निवड करताना कसलाही भेदभाव, मतभेद झाले नाहीत. एकमताने निवड होत आहे. हे संघटनेच्या एकात्मतेचे प्रतीक असल्याचे प्रतिपादन अखिल महाराष्ट्र प्राथमिक शिक्षक संघाचे राज्य कार्याध्यक्ष अण्णासाहेब आडे यांनी केले.

दाद मागू शकतो. संघटनेमध्ये महिलांना प्राधान्य द्यावे, असे आवाहन विदर्भ विभागप्रमुख किरण पाटील यांनी केले. आपल्या शैक्षणिक कायासीबतच संघटनेचे काम मी अत्यंत निष्ठेने व अंतःकरणाने केले. असेच अविरत कार्य माज्यांतरही नवीन कार्यकारिणीने करावे व शिक्षकांना न्याय मिळवून द्यावा, असे आवाहन मावळते जिल्हाध्यक्ष रमेश सिंगनजुडे यांनी केले. यावेळी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य केशव बुरडे, राज्य पदाधिकारी दिवाकर पांगुळ यांनी मनोगत व्यक्त केले.

आडे यांनी केली. सर्व कार्यकारिणीला, पदाधिकाऱ्यांना सोबत घेऊन शिक्षकांचे, विद्यार्थ्यांच्या हिताचे कार्य भेदभाव न करता करण्याचे आश्वासन नवनिर्वाचित जिल्हाध्यक्ष बालक्रिष्ण भुते यांनी दिले. संचालन महेश यावलकर व धरती बोरवार यांनी केले. आभार विकास गायधने यांनी मानले.

अशी आहे नवी जिल्हा कार्यकारिणी

अधिवेशनात सवानुमते संघटनेच्या जिल्हाध्यक्षपदी बालक्रिष्ण भुते यांची निवड करण्यात आली. सर-चिटणीसपदी रवी नखाते, कार्याध्यक्ष मनोहर कहालकर, कोषाध्यक्ष लीलाधर वासनिक, शिक्षक नेता आदेश बोंबर्डे, कार्यकारिणी अध्यक्ष योगेश पुडके, तर सल्लागार म्हणून रमेश सिंगनजुडे, दिवाकर पांगुळ, केशव बुरडे, विकास गायधने यांची निवड करण्यात आली. त्याचप्रमाणे आशा गिहेपुंजे, संजय भांडारकर, राजेश सूर्यवंशी यांची ज्येष्ठ उपाध्यक्ष म्हणून निवड करण्यात आली.

रेती माफियांच्या मुस्क्या आवळण्यासाठी २८ जूनला होणार ब्राह्मण टोला येथे रस्ता रोको

मुंढरी बु. परीसरत गर्जन चक्रीवाढळामुळे सोलर पॅनलवर विज पडल्याने सोलर उर्जा बंद



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

करडी/पालोरा : २० जून रोजी मुंढरी परीसरत विज गर्जना चक्रीवाढळ सहीत पाऊसने हजेरी लावल्याने शेतात असलेल्या सौर उर्जावर विज पडल्याने विद्युत पुरवठा बंद झाले आहे. सोलर पॅनलचे प्लेट उडाले असून शेतकरी महेश निमजे रा. मुंढरी बु. यांचे मोट्या प्रमाणात नुकसान झाले आहे. विज पुरवठा बंद झाला आहे. त्यामुळे शेतकऱ्यांनी पॅनल जगावे कसे हा एक मोठा पेच निर्माण झालेला आहे. करडी विज वितरण विभागाला माहिती देण्यात आली आहे. परंतु

ज्या एजन्सी कडे सोलर पॅनल चार कॉन्टॅक्ट दिलेला असून जो पर्यंत सोलर पॅनल कंपनी कडून दुरुस्ती करण्याकरीता येणार नाही तो पर्यंत शेतकऱ्यांनी पॅनल जगवण्यासाठी आणावे कोटून ही चिंतेची बाब समोर आली आहे.

त्यामुळे करडी येथील विज वितरण विभागाकडून लवकरात लवकर शौलर उर्जा सुरु करून देण्यात यावा नाहीतर झालेली नुकसान भरपाई विज वितरण विभाग कडून देण्यात यावा अशी मागणी शेतकरी महेश निमजे यांनी केलेली आहे.



ते नाकाडोंगरी रस्त्यावरून ओव्हरलोड रेंतीचे ट्रक रात्रदिवस धावत असल्याने रस्त्याची चाळण झाली आहे. रस्त्यावर मोठमोठे जीवघेणे खड्डे पडले आहेत. वाहन धारकांना वाहन चालवितांना कमालीचा त्रास सहन करावा लागतो आहे. रस्त्यावरील खड्ड्यांमुळे अनेक अपघात झाले आहेत. खड्ड्यात दडले रस्ते

शोधा म्हणजे सापडेल अशी गत या रस्त्याची झाली आहे. याच रस्त्यावरील खड्ड्यांमुळे रस्त्याच्या कडेला ओव्हरलोड रेंतीचे ट्रक पलटी झाल्याच्या अनेक घटना घडल्या आहेत.

ओव्हरलोड ट्रक मुळे ब्राह्मणटोला येथील पाणीपुरवठा योजनेची पाईप लाईन वारंवार फुटत

आहे. गावकऱ्यांना पिण्याच्या पाण्यासाठी त्रास सहन करावा लागत आहे. ब्राह्मणटोला येथील सरपंच पारस भुसारी यांनी या संबंधी पोलीस विभाग, महसूल विभाग व सार्वजनिक बांधकाम विभागाला सुद्धा तक्रार वजा निवेदन दिली होती. मात्र या समस्येवर दखल घेण्याचे अर्वाचित्य कुणीही दाखविले नाही ही एक शोकांतिकाच आहे. यातरेती तस्करीला पाठबळ कोणाचे? असाही प्रश्न उपस्थित होत आहे. महालगाव ते नाकाडोंगरी रस्त्याची दुरुस्ती करा व ओव्हरलोड वाहतुकीला आळा घाला या मागणीसाठी महालगाव व ब्राह्मणटोला येथील नागरिकांनी शासन व प्रशासनाच्या विरोधात एल्गार पुकारला असून ब्राह्मणटोला येथे २८ जूनला रस्ता रोको आंदोलन होणार असल्याची माहिती सरपंच पारस भुसारी यांनी दिली आहे. रस्ता रोको आंदोलनाचे नेतृत्व महालगावचे सरपंच पारस भुसारी, वारपिंडकेपारचे सरपंच दिनेश गोमासे हे करणार असून या रस्ता रोको आंदोलनात सोंड्या व धुंटेराचे सरपंच तसेच परिसरातील नागरिक सुद्धा मोट्या संख्येने भाग घेणार आहेत. परिसरातील त्रस्त नागरिकांनी आता अभी नही तो कभी नही असा सूत्र हाती घेतला आहे.

कालबाह्य जलकुंभाला जोडली जलजीवन मिशनची जलवाहिनी !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा): हरदोली येथील नळ पाणीपुरवठा योजनेचे जलकुंभ गावकऱ्यांना पाणी देण्यास असमर्थ असताना याच जलकुंभाला जलजीवन मिशन अंतर्गत जलवाहिनी जोडण्यात आली आहे. २० वर्षे जुनी टाकी असल्याने नवीन जलकुंभ निर्माण करण्याचे पत्र माजी सरपंच नितीन गणवीर यांनी दिले होते. असे असले तरी पाण्याचे यशस्वी स्रोत, नवीन जलकुंभचे बांधकाम न करताच १ कोटी ४१ लाख रुपये खर्च झाल्याचे सांगितले जात आहे. यामुळे हर घर जल नल योजना गावातच फसली आहे.

योजनेत अनिश्चितता झाली असल्याचा आरोप उपसरपंच धर्मेद कट्टे यांनी केला आहे. कंत्राटदाराला काळ्या यादीत घालून ग्रामीण पाणीपुरवठा विभागाची चौकशी करण्यासाठी हरदोली गावातून गेलेल्या भंडारा बालाघाट राष्ट्रीय महामार्गावर रास्ता रोको आंदोलन करण्याचा निर्णय घेण्यात आला आहे.

लोकसंख्येच्या आधारावर गावकऱ्यांना पाणीपुरवठा करण्यासाठी ८० हजार लिटर क्षमतेची टाकी २० वर्षांपूर्वी बांधकाम करण्यात आली आहे.



गावात पिण्याचे पाणी संकट निर्माण होत असल्याने गावात जलजीवन मिशन योजना अंतर्गत हर घर जल नल योजनेचा प्रस्ताव शासनस्तरावर माजी सरपंच नितीन गणवीर यांनी दिला होता. त्यात नवीन जलकुंभ, रेंगेपार येथील वैनगंगा नदीपात्रातून जलकुंभत पाण्याचा उपसा करण्याचे प्रस्तावित करण्यात आले होते. योजनेचे काम सुरु झाले असताना त्यांनी कंत्राटदाराच्या मनमानी कारभाराला कडाडून विरोध केला होता.

गावकऱ्यांना १ लाख ५० हजार लिटर पाण्याची गरज आहे. ही टाकी गावकऱ्यांना डोकेदुखी ठरवणारी असल्याचे ग्रामीण पाणीपुरवठा विभागाच्या अधिकाऱ्यांना सांगितले होते. मनमानी कारभाराने कंत्राटदार आणि अधिकाऱ्यांनी ककापूर गावाच्या शिवारात बोअरेव्हलसला

पाण्याचे स्रोत लागले नाही. योजनेवर १ कोटी ४१ लाख रुपये खर्चूनही गावाच्या टाकीत गुंडभर पाणी पोहोचले नाही. गावातील रस्ते आणि नाल्याची ऐसीतेशी करून कंत्राटदाराने गावातून पोबारा केल्याने गावात संताप निर्माण झाला आहे. जुन्या टाकीत जलजीवन मिशन अंतर्गत जलवाहिनी जोडण्यात आली असली तरी ही टाकी सकल भागात आहे.

यामुळे गावकऱ्यांना मुबलक पाणीपुरवठा होणार नाही. गावात जलवाहिनीची कामे करताना सिमेंट रस्ते उभे चिरले गेले. पाणी वाहून नेणाऱ्या नाल्या तोडण्यात आल्या. यामुळे गावात अस्ताव्यस्त चित्र निर्माण झाले आहे. नाल्या आणि सिमेंट रस्ते पूर्ववत करण्यासाठी ७ लाख रुपये राखीव करण्यात आले आहेत.

जलचरांसह शेती होतेय उद्ध्वस्त

कारखान्यातील रसायनयुक्त पाणी : पिकविलेल्या अन्नधान्याला उग्र वास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : पाण्यात कारखान्यातील रसायनयुक्त पाणी मिसळले तर त्याचे विष तयार होते. असाच काहीसा प्रकार तुमसर तालुक्यातील देव्हाडी येथील एमआयडीसी परिसरात मागील अनेक वर्षांपासून सुरु आहे. परिसरात असलेल्या नाल्यात रसायनयुक्त व दुर्गंधी असलेला काळा व पिवळसर असलेले पाणी सातत्याने सोडले जात आहे. त्यामुळे या नाल्यातील मासे व इतर जलचर जीवजंतू नष्ट झाले असून परिसरातली २०० ते २५० एकर शेती धोक्यात आली आहे.

हा नाला वैनगंगा नदीला जाऊन मिळत असल्याने नदीही प्रदूषित होत आहे. हा जरी गंभीर विषय असला तरी त्याकडे कोणाचेच लक्ष नाही. त्याच्या परिणाम शेतकऱ्यांना भोगावा लागत आहे. त्यामुळे अमृततुल्य पाणी हे जीवन आहे की विष असा प्रश्न येथे नक्कीच पडतो.

देव्हाडी येथे मिनी एमआयडीसी असून या एमआयडीसीतील एका कारखान्यामुळे बारमाही वाहणाऱ्या नाल्यातून कारखान्यातील रसायनयुक्त



पाणी सोडण्यात येते. हा पाणी अतिशय दुर्गंधीयुक्त व विषारी आहे. पाणी हे रंगहीन असते. परंतु या नाल्यातील पाणी काळे व पिवळसर रंगाचे झाले आहे. या रसायनयुक्त पाण्यामुळे या नाल्यातील मासे तसेच जलचर जीवजंतू मृत्युमुखी पडले आहेत. यामुळे शेतकऱ्यांमध्ये संताप व्यक्त होत आहे.

शेती आली धोक्यात

या नाल्याच्या दोन्ही बाजूला शेती आहे. या नाल्यात कोल्हापुरी बंधारे कृषी विभागाने लाखो रुपये खर्च करून बांधून दिले. पावसाळ्यात निसर्गाने दगा दिल्यानंतर

शेतकरी या नाल्यातील पाणी सिंचनाकरिता शेतीला देतात. परंतु रसायनयुक्त पाण्यामुळे शेती धोक्यात आली आहे. एका शेतकऱ्याने रेल्वे अधिकाऱ्याला तांदूळ विक्री केले परंतु उग्र वासामुळे त्या कर्मचाऱ्याने खरेदी केलेले तांदूळ परत केले. विहिरीतसुद्धा हे पाणी झिरपत असून विहिरीतील पाण्यासुद्धा उग्र वास येत आहे.

तक्रारीकडे दुर्लक्ष

नाल्यात वाहणाऱ्या रासायनिक पाण्याबाबत तहसीलदार यांना तक्रार केली. मंडळ अधिकाऱ्यांमार्फत तहसीलदारांनी

संबंधित नाल्यातील पाण्याबाबत अहवाल मागितला. त्या अहवालात नाल्यातील पाणी हे काळे व पिवळसर आहे. पाण्याला दुर्गंधी आहे. परंतु हे पाणी रसायनयुक्त आहे किंवा नाही याबाबत प्रयोग शाळेतून अहवाल मागवावा तसेच शेतीवर विपरीत परिणाम होत आहे किंवा नाही याची माहिती कृषी विभागाकडून अहवाल मागवावा, असा संदिग्ध अहवाल देण्यात आला. तुमसर येथील तहसीलदारांनी तक्रार करणाऱ्या शेतकरी व कारखान्याच्या अधिकाऱ्यांची सुनावणी पुढील आठवड्यात ठेवण्यात आल्यामुळे माहिती स्थानिक शेतकऱ्यांनी दिली.

नियमांना तिलांजली

रोजगार देण्याचे काम कारखाने करतात. राष्ट्रीय उत्पन्नात कारखान्यांचे महत्त्व मोठे आहे. परंतु केंद्र व राज्य शासनाचे पर्यावरणाच्या बाबतीत असलेले नियमसुद्धा पाळणे तेवढेच सक्तीचे आहे. नियंत्रणासाठी राज्य व केंद्र शासनाचे पर्यावरण विभाग कार्यरत असून त्यांनीही येथे वेळेवेळी मार्गदर्शन करून पर्यावरण रक्षणाची गरज आहे.

नाकाडोंगरी ते महालगाव मार्गाने चालायचे की मरायचे?

२८ ला राष्ट्रीय महामार्गावर रास्ता रोको

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा): रेंतीच्या जड वाहतुकीने महालगाव ते नाकाडोंगरी राज्यमार्ग जमिनीत पुरला आहे. मार्गावरून डांबर आता दिसेनासा झाला असून खड्ड्यात गेला आहे. पायदळ चालणे कठीण झाले आहे. बेधडक रेंतीचे ट्रक धावत आहेत. अनधिकृत रेंतीच्या चोरट्या वाहतुकीने नागरिकांचे जीव धोक्यात आले आहे. मायबाप हो, नाकाडोंगरी ते महालगाव मार्गाने चालायचे की मरायचे, असा एकच सवाल उपस्थित होत आहे. मार्गाच्या दुरुस्तीसाठी भंडारा- बालाघाट राष्ट्रीय महामार्गामार्फत २८ जूनला रास्ता रोको आंदोलन करण्यात येणार आहे.

या आंदोलनाचे नेतृत्व महालगावचे सरपंच पारस भुसारी, वारपिंडकेपारचे सरपंच दिनेश गोमासे, सोंड्याचे सरपंच आणि धुंटेराचे सरपंच करणार आहेत. बावणथडी नदीच्या काठावर नागरिकांना स्वस्त दरात रेंती उपलब्ध करण्यासाठी शासकीय रेंतीचे डेपो मंजूर करण्यात आले आहेत. परंतु, महालगाव, सोंड्या, वारपिंडकेपार, घानोड



गावात अनधिकृत रेंतीचे डंपिंग तयार करण्यात आले आहेत. त्याच अनधिकृत रेंतीच्या डंपिंगमधून रेंतीची विक्री सुरु आहे. रेंती माफियांच्यासमोर तालुका प्रशासन नतमस्तक आहे.

रेंतीचे डेपो असताना अनधिकृत डंपिंग निर्मितीला

कुणी मंजुरी दिली, हे न समजणारे कोडेक आहे.

महालगावलातून रेंतीचे ट्रक धावत आहे. हे ट्रक थेट महालगाव मार्गाने धावत नाहीत, तर बायपास असणाऱ्या ब्राह्मणटोला मार्गाने धावत आहेत. परिणामी गावातील नळ योजनेच्या जलवाहिनी फुटल्या आहेत.

नागरिक म्हणतात, दाद मागायची कुठे?

जड वाहतूक थांबविण्यासाठी अनेकदा निवेदन देण्यात आले. पोलिस, महसूल आणि जिल्हाधिकारी कार्यालयापर्यंत तक्रारी देण्यात आल्या. परंतु, जनतेचे रक्षक नागरिकांना पुरावे मागत आहेत. दाद मागायची तर कुठे? मार्गावर जीव गेल्यावर सात्वत देण्याची यंत्रणा वाट बघत असल्याचे चित्र परिसरात आहे.

आधी कोल्हापुरी बंधारा, नंतर तलाव खोलीकरणाला विरोध

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : तालुक्यातील आतेगाव येथे गेल्या वर्षी कोल्हापुरी बंधाराच्या खोलीकरण करण्यात येत होते. त्यावेळी या खोलीकरणाला नागझिऱ्यातील कर्मचाऱ्यांनी विरोध केला. यंदा तलाव खोलीकरणाला वेळी साधी मातीसुद्धा नागझिऱ्या जंगलाच्या परिसरात येणार नाही, अशी ताकिद दिली. खोलीकरण करू देणे सोडा, उलट विरोध दर्शवा. त्यामुळे अर्धा तलाव खोलीकरणपासून वॉवत राहिला. या प्रकारामुळे शेतकऱ्यांमध्ये नागझिऱ्या अभयारण्यातील कर्मचाऱ्यांच्या विरोधात संताप व्यक्त केला जात आहे. आतेगाव येथील तलाव खोलीकरणाला जलसंधारण विभागाने परवानगी दिली. पण, या तलावातील काही भाग आमच्या हद्दीत येते. त्यामुळे

यातलावाचे खोलीकरण करता येणार नाही, अशी भूमिका नागझिऱ्या अभयारण्यातील कर्मचाऱ्यांनी घेतली. त्यामुळे या तलावाचे अर्धवट खोलीकरण करावे लागले. यामुळे पाण्याची पातळी तलावात पाहिजे तशी वाढणार नाही. परिणामी शेतकऱ्यांच्या शेतीचे नुकसान होईल. गेल्या ५०-६० वर्षांपासून या तलावावर शेतकऱ्यांचा हक्क होता. पण, नागझिऱ्या अभयारण्य झाले आणि तलावावरील अर्धाहक्क हा नागझिऱ्याच्या ताब्यात गेला. त्यामुळे तलाव खोलीकरणस नागझिऱ्याचे कर्मचारी विरोध करत आहेत. याचे कारण विचारले असता प्रणयाना थोका होईल, अशी सबब दिली जाते. प्राणी जगावा आणि माणसं मारा असे वनविभागाचे धोरण आहे का, असा प्रश्नही गावकरी उपस्थित करतात.

पाण्यासाठी महिलांचा एल्गार; मुख्याधिकार्यांच्या दालनात महिलांच्या घेराव

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तुमसर शहरातील परिसरात पिण्याच्या पाण्याचा पुरवठा विस्कळीत झाला आहे. नागरिकांना अनेक दिवसांपासून पिण्याचे पाणी मिळत नसल्याने संताप व्यक्त होत आहे. याविषयी वारंवार तक्रारी करूनही तोडगा निघत नाही. नगरपरिषदेने पाणीपुरवठा सुरळीत करावा, अशा मागणीचे निवेदन शिवसेनेचे विभाग प्रमुख अमित मेश्राम यांच्या फावटाने नगरपरिषदेचे मुख्याधिकारी सिद्धार्थ मेश्राम यांना देण्यात आले. विशेष म्हणजे पाणी भरण्यासाठी या भागात सार्वजनिक नळजोड नगण्य आहे. त्यामुळे नळाला पाणी आले नाही, तर नागरिकांची पाण्यावाचून मोठी गैरसोय होते. सदर दिवसाआड एक तास पाणी द्या, परंतु ते पूर्ण दाबाने मिळायला हवे.

शिवाय पाण्याची वेळ निश्चित असणे गरजेचे आहे. सध्या कमी दाबाने व अवेळी पाणी मिळत असल्याने सर्व कामे सोडून



पाणी सुटण्याची वाट पहावी लागते. नियमित पाणीपट्टी भरूनही पुरेसे पाणी मिळत नाही. कमी दाबाने पाणीपुरवठा होत असल्याने नागरिकांची मोठी गैरसोय होते. आता कंत्राटदारकडून तर रस्त्याच्या खोदकामामुळे पाणीदेखील वेळेत मिळत नाही. त्यामुळे शहरातील विविध भागात

पाणीटंचाईला तोंड द्यावे लागत आहे. तुमसर नगरपरिषद लोकसंख्येने मोठी आहे. स्वच्छता अभियानांतर्गत नावलौकिक मिळाला, परंतु काही दिवसांपासून शहरातील हनुमान नगर, गांधी नगर व रविदास नगर येथील नागरिकांना पिण्याच्या पाण्यासाठी भटकंती करावी लागत आहे.

परिसरात पिण्याच्या पाण्याचा पाणीपुरवठा करण्याबाबत नगरपरिषदेचे नियोजन वेळेत होत नाही.

याबाबत गांधीयाने विचार करून तत्काळ पिण्याच्या पाण्याचा पाणीपुरवठा सुरळीत करावा, अन्यथा पाण्यासाठी घागर मोर्चा काढण्यात येईल, असा इशारा नगरपरिषद प्रशासनाला देण्यात आला आहे. यावेळी शिवसेनेचे विभाग प्रमुख तथा स्वराज्य युवा एकता फाउंडेशनचे संस्थापक अध्यक्ष अमित मेश्राम, शाखा प्रमुख रोशन ढोके, चंद्रकलामलेवार, गौरी देशमुख, शोभा भुरे, मीरा बडवाईक, शैला वाकरकर, पुष्पा बडवाईक, मनीषा रहांगडाले, नलिनी कुर्वे, जाकीर तुरक, प्रदीप वाहने, प्रशांत चौर, सुशांत बेले, बुरान तुरक, मातवेंद्र डोंगरे, रिता सांडेकर, सुधीर शेंदरे, प्रभूदास खोब्राडे, रमा चौर, सचिन रामटेके उपस्थित होते.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सिहोरा : बावनथडी नदीच्या पाण्याच्या पातळीतील वाढते जलस्तर मोजण्यासाठी बपेरा गावात आंतरराज्यीय सीमेवर जलसंपत्ती विभाग नागपूरचे कार्यालय सुरु करण्यात आले. नदीच्या पात्रात केबल घालून जलस्तर मोजण्याचे प्रयत्न करण्यात आले. राज्य शासन आणि जलसंपदा विभागाला ही माहिती देणारे कार्यालय होते. आता हे कार्यालय कुलूपबंद करण्यात आले आहे. कर्मचाऱ्यांच्या वसाहतीत झुडपे वाढली आहेत. कार्यालय कुलूपबंद करण्यात आल्यानंतर जलसंपदा विभागाला आता माहिती दिली जात नाही. नेहमी कोरडे दिसणारे बावनथडी नदीचे पात्र पावसाळ्यात क्षणार्धात पुराची पातळी ओलांडत आहे. नदीच्या पात्रात उभे असताना कळायच्या आत पात्र तुडुंब

भरले जात आहे. बावनथडी नदीच्या काठावर सीमावर्ती गावे आहेत. ही गावे पूरग्रस्त असून, दरवर्षी नदीच्या पुराचा फटका गावांना बसत आहे. घरे आणि शेतीचे प्रचंड नुकसान होत आहे. बावनथडी नदीच्या पाण्याचे बपेरा गावाच्या शेजारी वैनगंगा नदीला झालेला आहे. पावसाळ्यात वैनगंगा नदीतील पाण्याचा प्रवाह बावनथडी नदीच्या पाण्याच्या प्रवाहाला रोखून धरत आहे. पाण्याचा प्रवास थांबताच बावनथडी नदीचे पाणी बपेरा गावात शिरत आहे. याशिवाय नद्यांच्या काठावरील गावात पुराचे पाणी उग्र रूप धारण करीत आहे. यामुळे घरे आणिशेतीचे प्रचंड नुकसान होत आहे. पावसाळ्यात बावनथडी नदीतील पाण्याची पातळीतील वाढते जलस्तर मोजण्यासाठी आंतरराज्यीय सीमेवर ३ एकरांत पाटबंधारे विभाग, जलसंपदा उपविभाग क्रमांक ४

नागपूरचे कार्यालय स्थापन करण्यात आले आहे. नदीतील पाण्याचा जलस्तर, पर्जन्य मापक केंद्र आणि पाण्याच्या वाढत्या पातळीच्या संदर्भात माहिती देणारे कार्यालय निर्माण करण्यात आले आहे. या वसाहतीत कर्मचारी नियुक्त करण्यात आले होते. दर तासाला घेण्यात आलेली माहिती सरकारला दिली जात असल्याने बावनथडी नदीच्या पुराची माहितीजलसंपदा आणि राज्य सरकारला प्राप्त होत होती. परंतु गेल्या अनेक वर्षांपासून हे कार्यालय कुलूपबंद करण्यात आले आहे. या वसाहतीत आता कुणी कर्मचारी वास्तव्य करीत नाहीत. नदीच्या काठावर पाण्याचे पातळीची मीटरने नोंद घेण्यासाठी खांब उभारण्यात आले आहे. याशिवाय बपेरा, महाराष्ट्र आणि मोवाड, मध्य प्रदेश, असे दोन गावांना जोडून नदीच्या पात्रातून केबल घालण्यात आले होते.

30 वर्षों बाद लाखांदुर से होगा विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार

प्रमुख राजनीतिक पार्टी से उम्मीदवारी की चर्चा कौन होगा उम्मीदवार ?

तुमसर तहसील को जिला घोषित करने की मांग

मुख्यमंत्री को सौंपा गया मांगों का ज्ञापन

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर जिला प्रेमी, स्नेही जनों की ओर से तुमसर जिला बनाओ अभियान समिति के तत्वावधान में भंडारा आर राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक ज्ञापन सौंपकर तुमसर को जिला घोषित करने की मांग रखी गई.

तुमसर जिला बनाओ अभियान समिति का नेतृत्व शिवसेना विधायक नरेन्द्र भोंडकर, समन्वय प्रमुख आशीष देसाई, शंकरदादा बड़वाईक, सीताराम जोशी वल्लभ, खुशाल नागपुरे, नरेश ऊचोबगले, नितीन सेलोकर, देवदास मेथ्राम, शोभा



लांजेवार सहित समिति के कार्यकर्ता प्रमुखा से उपस्थित थे. मुख्यमंत्री ने उचित कार्यवाई करने का आश्वासन दिया. मुख्यमंत्री के आश्वासन से तुमसर जिला बनाओ अभियान कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है.

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदुर : पिछले कुछ वर्षों में हुए विभिन्न विधानसभा के चुनावों में लाखांदुर तहसील के हजारों मतदाताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. इस तहसील के मतदाताओं के भरोसे कुछ उम्मीदवारों को चुनावी जीत भी हुई है. इसके बावजूद वर्ष 1995 से तहसील में प्रमुख राजनीतिक पार्टी से विधानसभा चुनाव के तहत उम्मीदवारी नहीं दी गई है. किंतु आगामी विधानसभा चुनाव में साकोली विस क्षेत्र के तहत तहसील में एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी से उम्मीदवारी मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है.

जिसके कारण कुल 30 वर्षों बाद लाखांदुर से साकोली विस चुनाव के

विधानसभा चुनाव 2024



तहत उम्मीदवारी को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज देखी जा रही है. वर्ष 1995 के चुनावों के दौरान तत्कालीन लाखांदुर जिस क्षेत्र के तहत तहसील के प्रमिला कुटे नामक महिला को कांग्रेस पार्टी के तहत उम्मीदवारी दी गई थी. जबकि बीजेपी पार्टी के तहत दयाराम कापगते को उम्मीदवारी दी गई थी. किंतु इस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों से

कांग्रेसी वोटों का विभाजन होने के कारण कांग्रेस के तत्कालीन महिला उम्मीदवार प्रमिला कुटे की चुनावी हार हुई थी.

हालांकि इस चुनाव के पश्चात तहसील में बीजेपी अथवा कांग्रेस पार्टी के तहत अभी तक विस चुनाव के तहत उम्मीदवारी नहीं दी गई है.

मतदाताओं में देखा जा रहा है उत्साह

इस बीच आगामी दिस चुनाव में बीजेपी पार्टी के तहत तहसील में उम्मीदवारी २०० मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है. हालांकि कुल 30 वर्षों बाद विस चुनाव मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है.

किंतु 30 वर्षों पूर्व निर्दलीय

कौन होगा उम्मीदवार ?

भंडारा जिले के राजनीति में विकास नीति कम और जातिगत समीकरण पर अधिक जोर देखा जाता है. हालांकि हाल ही में हुए विस चुनाव में दलित वोटों का विभाजन टलने से माविआ के उम्मीदवार की जीत हुई थी. इस बीच साकोली विस क्षेत्र के पिछले चुनाव में तहसील के मतदाताओं के भरोसे पर विद्यमान विधायक के जीत पर मुहर लगने की चर्चा है. इस स्थिति में आगामी विस चुनाव के तहत साकोली विस क्षेत्र में लाखांदुर से उम्मीदवारी घोषित होने पर प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशियों में काटे के टक्कर की संभावना व्यक्त की जा रही है. किंतु इस चुनाव के लिए तहसील से उम्मीदवार होने की संभावना में अभी तक कोई नाम उजागर नहीं होने से आखिर में कौन होगा उम्मीदवार? यह सवाल भी पूछा जा रहा है.

उम्मीदवारों के तहत तहसील में उम्मीदवारी मिलने की संभावना को लेकर तहसील से हुए मत विभाजन के तरह इस बार भी मत विभाजन न हो. जिसके कारण ३० वर्षों पूर्व तहसील के उम्मीदवार की हुई हार की तरह इस बार भी हार का सामना न करना पड़ सके

बोलता है भंडारा....

डॉक्टर बना खासदार

इस बार के चुनाव में काटे की टक्कर रही थी, कभी भाजपा आगे तो कभी कांग्रेस आगे थी, अंत में डॉक्टर प्रशांत पडोले ने बाजी मारी।



- खुशी कावळे

इस बार बदलाव तय था, और वह कांग्रेस ने कर के दिखाया। और अब कांग्रेस अपने शहर का विकास जरूर करेगी, ऐसी बातें हो रही हैं। अब इस बार तो भी विकास करने का प्रयास होना चाहिए।



- मोनु खान

भाजपा को अच्छी टक्कर मिली मात्र आखिर में कांग्रेस का विजय हुआ, अब नए खासदार क्या विकास करते हैं वह देखने की बात है। अब तक विकास की बातें हो रही थीं। अब नई सरकार आने के बाद विकास होना तय है।



-जयेश तलमले

डॉक्टर प्रशांत पडोले से आशा करते हैं की वे भंडारा गोंदिया जिले का विकास करेंगे. क्योंकि सभी जिलावासियों ने उनको चुनके लाने में सहकार्य किया है। और उम्मीद से उनके चुनके लाया है की वे अपने जिले का विकास करें।



-निशीकांत निंबार्ते

बोलता है भंडारा मे आपको प्रतिक्रिया देना है तो इस ७७०९१५२२७२ व्हाट्स अप नंबर पे भेजे !

संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

भंडारा-गोंदिया जिले में साप्ताहिक आवाज भंडारा न्युज पेपर के लिए तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्र में संवाददाता तथा वितरक नियुक्त करना है।

संवाददाता के लिए किसी भी विषय में डिग्री पास होना अनिवार्य है।

संपर्क करें :
शमशेर खान, मुख्य संपादक,
साप्ताहिक आवाज भंडारा
मो. ९४२१७९१३६९, ७९७२७९५६५५

बेटाला घाट से 80 ब्रास अवैध रेत स्टॉक जब्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : राजस्व विभाग की टीम ने बेटाला रेत घाट से अवैध रूप से निकाले गये 80 ग्राम रेतों के स्टॉक को जब्त कर लिया और इसे सरकारी रेत डिपो में जमा कर दिया. मोहाडी तहसील के बेटाला से अवैध रेत परिवहन के लिए रखे गए 80 ब्रास रेत के स्टॉक पर जब राजस्व विभाग की गश्ती टीम की नजर पड़ी तो पूरे रेत स्टॉक को वहां से उठाकर सरकारी रेत डिपो में जमा कर दिया गया, वैनगंगा नदी तल की सफेद और महीन रेत नागपुर में प्रसिद्ध है और इस रेत की

भारी मांग होने से इस रेत की कीमत वहां सोने के जैसी होती है. इसलिए यहां के रेत माफिया नदी के तल से सफेद रेत निकालकर किनारे पर डंप कर देते हैं और फिर इस रेत को टिप्पर तथा ट्रकों की मदद से नागपुर, वर्धा, अमरावती भेज देते हैं. सूचना मिलने पर राजस्व टीम कार्यवाई करती है. यह कार्यवाई नायब तहसीलदार सुखदेव चदिवार के आदेश पर बेटाला के पटकी विकास कदम, नीलज के पटवारी कार्तिक सिरस्कर, कोतवाल चांद्रकुमार नंदनवार, कोतवाल आरिफ शेख और झुइवर कृष्णा भोयर ने की है.

भंडारा जेल में मनाया विश्व योग दिवस



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला कारागृह प्रथम श्रेणी भंडारा में 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को कारागृह अधीक्षक डी. एस. आडे, तुरंगाधिकारी संतोष क्षीरसागर, बी. आर. चोपकर, हवलदार शिवलाल पारवे, शरद दुसंलवार, शिपाई स्वप्निल भोयर सभी जेल के कर्मचारी और कैदियों ने मिलकर आयुष मंत्रालय भारत सरकार का प्रोटोकॉल करते हुए बड़े उत्साह के साथ विश्व योग दिवस मनाया. भारत स्वाभिमान न्यास भंडारा के जिला प्रभारी डा. रमेश खोब्रागडे ने सभी को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास और मार्गदर्शन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रत्न इकर तिड़के, सह प्रभारी भोजराम झंझाड, तहसील महिला प्रभारी मंजुषा डवले के साथ प्रात्यक्षिक कराकर सभी से करवाया. इस समारोह में करीबन ढाई सौ कैदियों ने हिस्सा लिया.

सोंडया टोला लिफ्ट इरिगेशन योजना का काम तेज करने का निर्णय

12 गांव पानी से वंचित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोबरवाही : गोबरवाही क्षेत्र के करीब 12 आदिवासी बहुसंख्या वाले गांवों के किसानों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है. राजीव सागर सिंचाई परियोजना से इन सभी 12 गांवों के किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने की कोई व्यवस्था नहीं है, यदि वर्षा संतोषजनक नहीं हुई तो उस वर्ष किसानों को कभी पूर्ण अकाल तो कभी अर्थ अकाल का सामना करना पड़ता है. जब राजीव सागर का निर्माण कार्य शुरू हुआ था, उस समय के टेक्निकल रिपोर्ट दी गई थी. इस रिपोर्ट



के अनुसार गोबरवाही क्षेत्र के उक्त सभी गांवों को पानी मिल पाने पर संदेह व्यक्त किया गया था. इसका कारण यह बताया गया कि वह सभी गांव ऊंचाई पर है और इसी कारण इन गांवों को सिंचाई परियोजना का लाभ नहीं मिल पाएगा. आखिर वही हुआ

जिसकी चर्चा पूरे राज्य में हुई थी, इसके बाद सोंडया टोला लिफ्ट इरिगेशन योजना तैयार करने की बात सामने आई. नया प्रस्ताव बनाया जानकारी मिली है कि अब एक बार फिर से नया प्रस्ताव दिया गया है. सोंडया टोला लिफ्ट इरिगेशन के माध्यम से वंचित गांवों के किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाकर उन्हें सिंचाई का लाभ देने की योजना बनाई गई है. जो प्रस्ताव राज्य सरकार के विचाराधीन है. इसके लिए पिछले कुछ वर्षों से गोबरवाही क्षेत्र के धामनेवाडा गांव के किसान व पूर्व सांसद शिशुपाल पटले निरंतर प्रयास कर रहे हैं.

सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ बांडेबुचे ने लिया बेटाला में योग शिविर



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : भंडारा जिले के मोहाडी तहसील के बेटाला गांव में योग दिवस के अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ बांडेबुचे ने नियमित योगाभ्यास में भाग लेने वाले सभी लोगों को अपने खर्च पर टिकट वितरित किए। सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ बांडेबुचे ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वस्थ शरीर के लिए योग आवश्यक है, युवा और

वृद्ध मतारा सभी को योग करने अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए और योग व्यायाम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने इन योग प्रेमियों को टी-शर्ट देकर प्रोत्साहित किया। सागर रामटेके, विकास खरवाड़े, प्रतीक शेंडे, अमोल रामटेके, निखिल शेंडे, आकाश खरवाड़े, रोहित राऊत, पराग शेंडे, पवन बनकर, स्वप्निल सोनवाने, गणेश डेंगे, मयूर मेथ्राम, लोकेश बुधे, राज शेंडे, आकाश कुर्वे आदि उपस्थित थे.

पुलिस ने लापता नाबालिग को खोजा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदुर : 4 दिनों पूर्व स्वयं के नाबालिग बेटी के साथ स्वयं के मायके पहुंची मां ने बेटी को मायके में छोड़कर स्वयं के गांव लौटी. इस बीच मां के साथ स्वयं के गांव आने के लिए पीछे पड़ी नाबालिग बिना बताए मां के मायके से लापता होने की जानकारी पुलिस को मिली. जिसके आधार पर लाखांदुर एवं पवनी के पुलिस कर्मियों ने संयुक्त कार्यवाई कर केवल 3 घंटे में लापता नाबालिग को तलाशने में पुलिस को सफलता मिली है. उक्त घटना पिछले 22 जून को विरली (क) गांव में हुई थी. इस घटना में पवनी तहसील के निघवी निवासी रिया योगेश महावाड़े (11) नामक नाबालिग लापता होने की जानकारी पुलिस को दी गई थी. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना की पीड़ित नाबालिग घटना से 4 दिनों पूर्व स्वयं के मां के साथ तहसील के विरली (बू) स्थित मां

विरली (बू) गांव की घटना



के मायके पहुंची थी. हालांकि मायके में रहने के बाद मां ने नाबालिग बेटी की मायके में कुछ दिन रुकने के लिए बोलकर स्वयं के निघवी गांव पहुंची थी. इस बीच बिना बताए घर से बाहर गई नाबालिग देर शाम तक घर नहीं पहुंचने पर

घबराए मायके के परिजनों ने घटना की जानकारी लाखांदुर पुलिस को दी. दादा दादी के अन्य मकान में मिली जानकारी के आधार पर लाखांदुर के थानेदार सचिन पवार के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक निशा खोब्रागडे, परमेश्वर आगासे, पुलिस हवलदार संतोष चव्हाण, प्रदीप राउत, मिलिंद बोरकर, रविंद्र महावी, पुलिस अंमलदार टेकचंद बुरडे, टेकाम एवं पवनी के सहायक पुलिस निरीक्षक विरसेन चहदि के नेतृत्व में कुछ पुलिस कर्मियों ने तुरंत लापता नाबालिग के तलाश कार्य शुरू किए. इस दौरान लापता हुई नाबालिग स्वयं के निघवी गांव में ही स्वयं के दादा दादी के अन्य मकान में पाई गई पुलिस अधिकारी कर्मियों ने लापता नाबालिग को उसके माता पिता को सुपुर्द किया. हालांकि केवल 3 घंटे में नाबालिग को तलाश कर परिजनों के सुपुर्द करने पर पुलिस प्रशासन के कर्मियों की प्रशंसा की जा रही है.